पूसा संस्थान में नवोन्मेषी कृषक सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली. राजधानी में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा संस्थान) के डॉ बी.पी. पाल सभागार में 6 जून, 2024 को देशभर के प्रगतिशील किसानों का सम्मेलन संपन्न हुआ। इस दिन पूसा संस्थान में नवोन्मेषी किसान सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें इस वर्ष 6 राज्यों के 7 कृषकों को अध्येता किसान (Fellow Farmer) तथा 22 राज्यों के 33 किसानों को नवोन्मेषी किसान (Innovative Farmer) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें 8 राज्यों से 9 कृषक महिलाएँ, 6 आदिवासी किसान भी शामिल थे।

सभी पुरस्कृत किसानों ने खेती के विभिन्न मॉडल तैयार कर अपने-अपने क्षेत्रों में स्थानीय रूप से समेकित कृषि प्रणाली का विकास किया था, जिसमें खाद्यान्न फसलें, बागवानी फसलें आदि शामिल थीं। कई सफल किसानों ने फसल विविधीकरण को अपनाकर अपनी आय को बढ़ाया। इसके अलावा हाईटेक कृषि पद्धतियों, जैसे संरक्षित खेती, गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत, सोलर प्रणालियों, जल-संसाधन के संरक्षण एवं उपयोग दक्षता बढ़ाने वाली तकनीकों को अपनाया। विभिन्न किसानों ने आई.पी.एम., उन्नत कृषि मशीनरी और हाइड्रोपोनिक्स इत्यादि को अपनी कृषि में समावेश किया था।

अनेक किसानों ने उत्पादन के साथ-साथ प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन के लिए भी नवाचार किए थे। किसानों ने प्रमुख रूप से खाद्यान्न फसलों के बीज उत्पादन के क्षेत्र में बहुत योगदान किया। इसमें सतत कृषि की पद्धतियों को अपनाया गया, जिसमें प्रमुख रूप से जैविक नाशीजीव, जैव उर्वरक, केंचुआ खाद, बायोगैस स्लरी के उपयोग के साथ-साथ उत्पादन इकाइयों का निर्माण किया गया। फसलों के अवशेष प्रबंधन के लिए पूसा डीकंपोजर का इस्तेमाल किया और पराली से खाद बनाई। किसानों की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि उन्होंने इन उन्नत तरीकों को न केवल स्वयं अपनाया, बल्कि इन्हें साथी किसानों तक भी हस्तांतरित किया। उन्होंने किसान उत्पादक संगठन, स्वयं सहायता समूह भी बनाए तथा रोजगार का भी सृजन किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान प्रतिवर्ष लगभग 40 किसानों को चिह्नित कर सम्मानित करता है। संस्थान में वर्ष 2008 से नवोन्मेषी किसान सम्मान तथा वर्ष 2012 से अध्येता किसान सम्मान की शुरूआत की गई थी। अब तक देशभर के विभिन्न राज्यों के 400 से अधिक किसानों को भा.कृ.अ.सं.-अध्येता किसान तथा नवोन्मेषी किसान के रूप में सम्मानित किया जा चुका है।

इस अवसर पर 4 पद्मश्री से सम्मानित किसानों को भी आमंत्रित किया गया था। इस एक दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण “किसान-वैज्ञानिक-विद्यार्थी संवाद” था। इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ यू.एस. गौतम, पूसा संस्थान के निदेशक डॉ ए.के. सिंह, संस्थान के सभी संयुक्त निदेशक तथा सभी संभाध्यक्ष एवं कृषि के विद्यार्थी शामिल हुए। इस ज्ञानमंथन से जहाँ एक ओर सम्मानित किसानों को परस्पर संवाद करने का मौका मिला, वहीं विशेषज्ञों को भावी अनुसंधान की दिशा तय करने तथा विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली।

यह बहुआयामी कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ ए.के. सिंह और संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ आर.एन. पड़ारिया भा.कृ.अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

डॉ आर.एन. पड़ारिया, संयुक्त निदेशक (प्रसार)

भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली - 110012

फोन: 011-25842387, ईमेल: jd_extn@iari.res.in, rabi64@gmail.com